9. लड़का-लड़की (लिंग)

हिंदी भाषा में प्रत्येक शब्द का एक लिंग निर्धारित किया गया है। प्रत्येक शब्द चाहे वह सजीव वस्तु हो या निर्जीव, वह पुरुष या स्त्री जाति के होने का संकेत देता है। शब्दों के पुरुष या स्त्री जाति का सही बोध न होने से वाक्य में त्रुटियाँ आ जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को लिंग के अर्थ से परिचित कराएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 32 पर दिए चित्र को दिखाकर कक्षा के बच्चों से पूछें, कक्षा में कौन लड़का है और कौन लड़की है। चित्र की भाँति कक्षा के बच्चे एक-एक करके बोलेंगे–मैं हूँ लड़का, मैं हूँ लड़की। इस गतिविधि द्वारा पाठ के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ेगी।
- ❖ पाठ पृष्ठ 32 पर दिए शब्दों द्वारा बच्चों को पिता-माता, दादा-दादी, चूहा-चुहिया, गुड्डा-गुड़िया, घोड़ा-घोड़ी आदि शब्दों के माध्यम से लड़का तथा लड़की जाति के शब्दों को समझाइए।
- ❖ बताएँ, लिंग का अर्थ होता है लड़का-लड़की की पहचान कराने वाले शब्द।
- ❖ समझाएँ, हर शब्द में लड़का तथा लड़की रूप होता है। जैसे- माता-पिता, चूहा-चुहिया, धोबी-धोबिन आदि।
- ❖ पाठ पृष्ठ 33 पर दिए स्त्री-पुरुष जाति के शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ बीच-बीच में बच्चों से स्त्री-पुरुष जाति बताने वाले अन्य शब्द भी पूछते रहें।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाने में बच्चों की यथासंभव सहायता करें।